

हिन्दी (पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

- निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - क, ख, ग और घ।
(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्नपत्र संख्या 3/1/1

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

1x5 = 5

कई लोग असाधारण अवसर की बाट जोहा करते हैं। साधारण अवसर उनकी दृष्टि में उपयोगी नहीं रहते। परन्तु वास्तव में कोई अवसर छोटा-बड़ा नहीं है। छोटे-से-छोटे अवसर का उपयोग करने से, अपनी बुद्धि को उसी में भिड़ा देने से, वही छोटा अवसर बड़ा हो जाता है। सर्वोत्तम मनुष्य वे नहीं हैं, जो अवसरों की बाट देखते रहते हैं, जो अवसर को अपना दास बना लेते हैं। हमारे सामने हमेशा ही अवसर उपस्थित होते रहते हैं। यदि हम में इच्छा-शक्ति है, काम करने की ताकत है, तब तो हम स्वयं ही उनसे लाभ उठा सकते हैं। अवसर न मिलने की शिकायत कमजोर मनुष्य ही करते हैं। जीवन अवसरों की एक धारा है। स्कूल, कॉलेज का प्रत्येक पाठ, परीक्षा का समय, कठिनाई का प्रत्येक पल, सदुपदेश का प्रत्येक क्षण एक अवसर है। इन अवसरों से हम नम्र हो सकते हैं, ईमानदार हो सकते हैं, मित्र बना सकते हैं, उत्तरदायित्वों का मूल्य समझ सकते हैं और इस प्रकार उच्च मनुष्यता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे अनेक लोग हैं जो अवसर को पकड़कर करोड़पति हो गए। परन्तु अवसरों का क्षेत्र यहाँ समाप्त नहीं हो जाता। अवसर का उपयोग करके हम इंजिनियर, डॉक्टर, कला-विशारद, कवि और विद्वान् भी बन सकते हैं। यद्यपि अवसरों के उपयोग से धन कमाना अच्छा काम है, परन्तु धन से भी कहीं श्रेष्ठ कार्य सामने है। धन ही जीवन के प्रयत्नों का अंत नहीं है, जीवन के लक्ष्य की चरम सीमा नहीं है। अवसरों के सदुपयोग से हम सर्वदृष्टि से महत्वपूर्ण इंसान बन सकते हैं।

- (i) छोटा अवसर भी कब बड़ा और असाधारण हो जाता है?
(क) जब हम में उससे लाभ उठाने की क्षमता हो
(ख) जब हम बड़े अवसर की प्रतीक्षा में उसकी उपेक्षा नहीं करते

- (ग) जब आलस्य के कारण उसके उपयोग से वंचित नहीं होते
- (घ) जब हम पूरी लगन से उसका भरपूर उपयोग करते हैं
- (ii) अवसर का लाभ कैसे उठाया जा सकता है?
 - (क) अवसर की राह देखने से
 - (ख) अनेक अवसरों में उपयोगी अवसर की पहचान से
 - (ग) कार्य करने की उत्कट लालसा एवं शक्ति के भरपूर उपयोग से
 - (घ) कठिनाइयों को सहन करने से
- (iii) जीवन को अवसरों की एक धारा क्यों कहा है?
 - (क) धारा जीवन को विनाश की ओर बहा सकती है
 - (ख) जीवन की जिम्मेदारियों का बोध करा सकती है
 - (ग) जीवन में प्रत्येक क्षण अवसर प्राप्त होते रहते हैं
 - (घ) धारा जीवन में अच्छे मित्र दे सकती है
- (iv) कौन सा श्रेष्ठ कार्य है जो धन से भी बढ़कर है?
 - (क) इंजीनियर या डॉक्टर बनना
 - (ख) श्रेष्ठ कवि या कलाकार की ख्याति प्राप्त करना
 - (ग) खेलों में दक्षता हासिल करना
 - (घ) समाज में महान एवं आदर्श व्यक्ति बनना
- (v) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है:
 - (क) अवसर और मनुष्य
 - (ख) जीवन : अवसरों की एक धारा
 - (ग) जीवन में अवसरों का महत्व
 - (घ) अवसर और इच्छाशक्ति

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाला चुनकर लिखिए:

1×5 = 5

प्रत्येक सुन्दर प्रभात सुन्दर चीजें लेकर उपस्थित होता है, पर यदि हमने कल तथा परसों के प्रभात की किरणों से लाभ नहीं उठाया तो आज के प्रभात से लाभ उठाने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाएगी और यही रफ्तार रही तो फिर हम इस शक्ति को बिल्कुल ही गंवा बैठेंगे।

किसी विद्वान ने ठीक ही रहा है; खोई हुई संपत्ति प्राप्त की जा सकती है, भूला हुआ ज्ञान अध्ययन से प्राप्त हो सकता है, गँवाया हुआ स्वास्थ्य लौटाया जा सकता है; परंतु नष्ट किया हुआ समय सदा के लिए चला जाता है। वह बस स्मृति की चीज हो जाता है और अतीत की एक छाया-मात्र रह जाता है। संसार के महान् विचारकों को चिंता रहती थी कि उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए। हमको भी अमूल्य समय को नष्ट होने से बचाने के लिए कुछ भी उठा न रखना चाहिए। एक-एक क्षण का सदुपयोग करने वाले इन विचारकों का जीवन हजारों नवयुवकों के जीवन का कितना उपहास कर रहा है। ये विचारक समय के छोटे-छोटे टुकड़ों को बचाकर जिस तरह महान् हुए, हमको भी उनकी भांति ही समय का मूल्य जानना चाहिए।

(i) 'प्रत्येक सुंदर प्रभात' का तात्पर्य है:

(क) सुंदर वस्तुओं की प्राप्ति

(ख) सूर्योदय का समय

(ग) सुनहरा अवसर

(घ) जीवन का नया क्षण

(ii) कौन-सा कथन असत्य है :

(क) बीता समय लौट सकता है

(ख) नष्ट स्वास्थ्य पाया जा सकता है

(ग) खोई हुई सम्पत्ति मिल सकती है

(घ) भूली हुई जानकारी पाई जा सकती है

(iii) अमूल्य समय को नष्ट होने से कैसे बचाया जा सकता है:

(क) महान् विचारकों का अनुकरण करके

(ख) प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करके

(ग) बड़े-बड़े काम करके

(घ) कल्पना जगत में विचरण करके

(iv) हजारों नवयुवक उपहास के पात्र हैं, क्योंकि वे :

(क) अपने भविष्य के बारे में नहीं सोचते

(ख) व्यर्थ के कामों में लगे रहते हैं

- (ग) प्रातःकाल नहीं उठते
- (घ) समय के महत्व को नहीं जानते
- (v) 'ये विचारक समय के छोटे-छोटे टुकड़ों को बचाकर जिस तरह महान् हुए, हमको भी उनकी भांति समय का मूल्य जानना चाहिए।' उपर्युक्त वाक्य का प्रकार है:
- (क) साधारण वाक्य
- (ख) संयुक्त वाक्य
- (ग) मिश्र वाक्य
- (घ) क्रियाविशेषण वाक्य

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

1×5 = 5

आदमी हो, स्नेहवाती बन नया दीपक जलाना।

दर्द की परछाइयों के दानवी बंधन हटाना।

छटपटाती जिंदगी को चेतना संगीत देना।

विश्व को नवपंथ देना; हारते को जीत देना।।

आदमी हो, बुझ रहे ईमान को विश्वास देना।

मुसकराकर वाटिका में मधुभरा मधुमास देना।

शूल के बदले जगत को फूल की सौगात देना।

जो पिछड़ता हो उसे नवशक्ति देना, साथ देना।।

आदमी हो, डूबते मँझधार में पतवार देना।

थक चला विश्वास साथी, आस्था आधार देना।

क्रांति का संदेश देकर राह युग की मोड़ देना।

फिर नया मानव बनाना; रूढ़ियों को तोड़ देना।।

आदमी हो, द्वेष के तूफान को हँसकर मिटाना।

कंठ-भर विषमान करना; किंतु सबको प्यार देना।

मेटना मजबूरियों को; दीन को आधार देना।

खाइयों को पाटना; बिछुड़े दिलों को जोड़ देना।।

- (i) काव्यांश में बार-बार 'आदमी हो' क्यों कहा गया है?
- (क) ईमानदारी पर बल देने के लिए
 - (ख) मानवोचित काम करने का आग्रह करने के लिए
 - (ग) बुराइयों से बचाने के लिए
 - (घ) आदमी होने की याद दिलाने के लिए
- (ii) 'शूल के बदले फूल देना' का तात्पर्य है :
- (क) मिटते ईमान को विश्वास देना
 - (ख) दुर्बल को नई शक्ति देना
 - (ग) दुखों के बदले सुख देना
 - (घ) जीवन को आनंद से भर देना
- (iii) 'मँझधार' और 'नाव' प्रतीक हैं :
- (क) नदी और नाव
 - (ख) मुसीबत और सहारा
 - (ग) विवशता और सहायता
 - (घ) विवशता और सहयोग
- (iv) कविता में 'खाइयों को पाटना' का अभिप्राय है :
- (क) गड़ढा भरना
 - (ख) मेल-मिलाप की बातें करना
 - (ग) मरीजों की सहायता करना
 - (घ) आपसी शत्रुता को मिटाना
- (v) 'स्नेहबाती' में अलंकार है:
- (क) अनुप्रास
 - (ख) उपमा
 - (ग) रूपक
 - (घ) उत्प्रेक्षा

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

1X5 = 5

ओ निराशा, तू बता क्या चाहती है?

मैं कठिन तूफान कितने झेल आया,

मैं रुदन के पास हँस-हँस खेल आया।

मृत्यु-सागर-तीर पर पद-चिह्न रखकर-

मैं अमरता का नया संदेश लाया।

आज तू किसको डराना चाहती है?

ओ निराशा, तू बता क्या चाहती है?

शूल क्या देखूँ चरण जब उठ चुके हैं

हार कैसी, होंसले जब बढ़ चुके हैं।

तेज मेरी चाल आँधी क्या करेगी?

आग में मेरे मनोरथ तप चुके हैं।

आज तू किससे लिपटना चाहती है?

चाहता हूँ मैं कि नभ-थल को हिला दूँ,

और रस की धार सब जग को पिता दूँ,

चाहता हूँ पग प्रलब-गति से मिलाकर-

आह की आवाज में मैं आग रख दूँ।

आज तू किसको जलाना चाहती है?

ओ निराशा, तू बता क्या चाहती है?

- (i) कवि निराशा को ललकारते हुए अपने बारे में बता रहा है कि :

(क) वह परेशानियों से पराजित हुआ है

(ख) वह तूफानों से डरा है

(ग) उसको दुखों ने रुलाया है

(घ) वह अमरता का संदेश लेकर आया है।

(ii) निराशा किसे डराना चाहती है?

- (क) साहसी कवि को
- (ख) मननशील पाठक को
- (ग) जुझारू वीरों को
- (घ) निराश व्यक्ति को

(iii) कवि क्या चाहता है?

- (क) विश्व में प्रलय
- (ख) इच्छाओं की पूर्ति
- (ग) संसार में क्रांति
- (घ) असीमित अधिकार

(iv) कविता का मुख्य संदेश है :

- (क) वीरता
- (ख) अमरता
- (ग) क्रांतिकारिता
- (घ) आशावादिता

(v) 'मृत्युसागर' में अलंकार है :

- (क) श्लेष
- (ख) उत्प्रेक्षा
- (ग) रूपक
- (घ) उपमा

खंड - ख

5. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

1X4 = 4

(i) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

- (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिङ्ग
- (ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिङ्ग

- (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग
- (घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग
- (ii) उसने ऊँचा महल देखा।
- (क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
- (ख) विशेषण, परिणामवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन
- (ग) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन
- (घ) विशेषण, सार्वजनिक, स्त्रीलिंग, एकवचन
- (iii) कौन आया है?
- (क) सर्वनाम, प्रश्नावचक, पुल्लिंग, एकवचन
- (ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
- (ग) सर्वनाम, निश्चयवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन
- (घ) सर्वनाम, संबंधवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
- (iv) मैं अवश्य पहुँचूँगा।
- (क) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'पहुँचूँगा' का विशेषण
- (ख) क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'पहुँचूँगा' का विशेषण
- (ग) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'पहुँचूँगा' का विशेषण
- (घ) क्रियाविशेषण, परिणामवाचक, 'पहुँचूँगा' का विशेषण
6. (i) जिस वाक्य में एक सरल वाक्य के अलावा अन्य उपवाक्य आश्रित होकर आएँ, उसे कहते हैं:
- (क) संयुक्त वाक्य
- (ख) साधारण वाक्य
- (ग) मिश्र वाक्य
- (घ) सरल वाक्य
- (ii) निम्नलिखित में से सरल वाक्य पहचानकर लिखिए :
- (क) उसने परीक्षा पास कर ली
- (ख) तुम गए और वह आया

1X4=4

- (ग) मुझे विदित हुआ है कि तुम कक्षा में प्रथम आए हो
- (घ) यही वह छात्र है जिसने स्वर्ण पदक जीता है
- (iii) जिस वाक्य में दो या दो से अधिक वाक्य योजना द्वारा जुड़े हों, उसे कहते हैं:
- (क) मिश्र वाक्य
- (ख) संयुक्त वाक्य
- (ग) सरल वाक्य
- (घ) साधारण वाक्य
- (iv) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए :
- (क) अस्वस्थता के कारण यह आज नहीं आएगा
- (ख) वह अस्वस्थ है इसलिए आज नहीं आएगा
- (ग) जब वह स्वस्थ ही नहीं है तो कैसे आएगा
- (घ) जैसे ही वह स्वस्थ होगा, आ जाएगा

7. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

1X4 = 4

- (i) कर्मवाच्य में किसकी प्रधानता होती है:
- (क) कर्ता की
- (ख) कर्म की
- (ग) क्रिया की
- (घ) भाव की
- (ii) नीचे लिखे वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छांटिए :
- (क) मोहन राकेश के नाटक खूब खेले गए हैं
- (ख) उससे मंदिर तक नहीं पहुँचा जाएगा
- (ग) उससे तो बैठा ही नहीं जाता
- (घ) बच्चों ने अच्छा प्रोग्राम प्रस्तुत किया
- (iii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छांटिए :
- (क) तुम्हारे वहाँ दहेज दिया जाता है
- (ख) हम आपका विरोध करते हैं

- (ग) आइए, चला जाय
 (घ) रेल मंत्रालय ने महिला स्पेशल चलाई
 (iv) नीचे लिखे वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छांटिए :
 (क) वह दर्द के कारण सो गया
 (ख) आओ, सैर करने चलें
 (ग) मुझसे बैठा नहीं जाता
 (घ) यह मकान इसके द्वारा बनाया गया है

8. (i) निम्नलिखित वाक्यों में कर्मवाच्य वाला वाक्य छांटिए : 1
 (क) मच्छर बढ़ते जा रहे हैं
 (ख) मूर्तियां बनाई जा रही है
 (ग) वह बारिश में भीग गया है
 (घ) आँधी से पेड़ टूट गया
- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य छांटिए : 1
 (क) तुम शिमला जाओ और कुफरी जरूर जाना
 (ख) रवि टेलीविजन देखता है
 (ग) बुरी संगत तुम्हें ले बैठेगी
 (घ) जो लोग बतिया रहे हैं वे अभी घर लौटे हैं
- (iii) हम देश सेवा करेंगे। इस वाक्य में रेखांकित पद है : 1
 (क) संज्ञा
 (ख) सर्वनाम
 (ग) विशेषण
 (घ) अव्यय
- (iv) किसान सिंचाई कर रहे हैं।
 उपर्युक्त वाक्य है: 1
 (क) मिश्र (ख) जटिल
 (ग) सरल (घ) संयुक्त

9. (i) किस अलंकार में एक ही बार प्रयुक्त शब्द के दो या अधिक अर्थ होते हैं? 1
- (क) यमक
- (ख) श्लेष
- (ग) उपमा
- (घ) अनुप्रास
- (ii) अनुप्रास अलंकार छाँटिए : 1
- (क) क्यों सहे संसार हाहाकार
- (ख) तुलसीदास सीदत निसदिन
- (ग) मुख-चन्द्र शोभा छा रही
- (घ) तापस बाला-सी गंगा निर्मल
- (iii) नीचे लिखे पंक्ति में उपमान ढूँढ़िए : 1
- ‘प्रलय मेघ-से लगे घूमने वानर वन में’ ।
- (क) वानर
- (ख) वन
- (ग) प्रलयमेघ
- (घ) घूमने लगे
- (iv) ‘सियमुख मानो चंद्रमा’ पंक्ति में कौन सा अलंकार है?
- (क) अनुप्रास
- (ख) उत्प्रेक्षा
- (ग) श्लेष
- (घ) उपमा

खंड - ग

10. निम्नलिखित गद्यांश की ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए : 1X5=5
- अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिज्ञा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने पर रखकर पढ़ाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुँचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे

और उन दिनों उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।

- (i) गद्यांश में किसके पिता की ओर संकेत है?
- (क) शीला अग्रवाल के
 - (ख) डॉ. अम्बालाल के
 - (ग) मन्नू भंडारी के
 - (घ) कॉलेज की प्रिंसिपल के
- (ii) इंदौर में पिता के मान-सम्मानका कारण था :
- (क) कांग्रेसी होना
 - (ख) समाज-सुधारक होना
 - (ग) उपदेशक होना
 - (घ) संवेदनशील होना
- (iii) शिक्षा के प्रति पिता के लगाव का उदहारण है:
- (क) शिक्षा का उपदेश देना
 - (ख) उनका अध्यापक होना
 - (ग) अपने घर पर विद्यार्थियों को पढ़ाना
 - (घ) उनके विद्यार्थियों का ऊँचे पद पाना
- (iv) पिता के व्यक्तित्व के परस्पर विरोधी गुण हैं :
- (क) अहंवादिता और रूढ़िवादिता
 - (ख) उदाहरता और संकीर्णता
 - (ग) संपन्नता और निर्धनता
 - (घ) कोमलता और क्रोध
- (v) दरियादिली का अर्थ है:
- (क) उदारता
 - (ख) कृपणता
 - (ग) सहनशीलता
 - (घ) सम्पन्नता

अथवा

फादर बुल्के संकल्प से सन्यासी थे। कभी-कभी लगता है कि वह मन से सन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते, इसके लिए अकादमिक तर्क देते। बस इसी सवाल पर उन्हें झुंझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन की नयी राह'। मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों से झरती विरल शांति।

(i) फादर बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे, क्योंकि:

- (क) सांसारिक रिश्तों को निभाते थे
- (ख) स्नेह-संबंधों में विश्वास नहीं रखते थे
- (ग) संबंध बनाकर भूल जाते थे
- (घ) रिश्तों को जोड़ते नहीं थे

(ii) हिंदी के विषय में उनकी इच्छा थी :

- (क) हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखना
- (ख) हिंदी में ही बातचीत करना
- (ग) हिंदी को शिक्षा का माध्यम बनाना
- (घ) छुटपुट हिंदी विरोध को रोकना

(iii) उनके स्वभाव की विशेषता थी :

- (क) आत्मीय संबंधों का निर्वाह
- (ख) मानवता की चिंता
- (ग) प्रायः मौन रहना
- (घ) दुख के क्षणों को भूल जाना

- (iv) 'हर मौत दिखाती है जीवन को नई राह' का आशय है कि मृत्यु :
- (क) निराश कर देती है
- (ख) नई दिशा देती है
- (ग) विरक्ति को जन्म देती है
- (घ) अपने-पराये की पहचान कराती है
- (v) 'एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है।'
- (क) सरल
- (ख) संयुक्त
- (ग) मिश्र
- (घ) साधारण

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

2X5 = 10

- (क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।
- (ख) शहनाई के संदर्भ में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?
- (ग) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का, किस रूप में प्रभाव पड़ा?
- (घ) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना क्या उनके अपढ़ होने का सबूत है? 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खां को व्यथित करते थे? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।

विद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

- (i) उपर्युक्त दोहा किसके द्वारा, किस संदर्भ में कहा गया है? 2
- (ii) शूरवीर की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं? 2
- (iii) कायर का क्या लक्षण है? 1

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात.....
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा पाषाण।

- (i) बच्चे की मुसकान को 'दंतुरित' क्यों कहा है? वह कवि पर कैसा प्रभाव डाल रही है? 2
- (ii) कवि को बच्चे के अंग किसकी तरह लग रहे हैं? 1
- (iii) 'परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा पाषाण।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :
- (क) 'छाया मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए। 2
- (ख) 'कन्यादान' कविता में बेटी को क्या-क्या सीख दी गई है? 2
- (ग) संगीत में संगतकार की क्या भूमिका होती है? 1
14. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 5
- गंतोक कहां है? उसे 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

अथवा

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने अपने आप को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस प्रकार महसूस किया? स्पष्ट कीजिए।

खंड - घ

15. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :
- (क) काल्पनिक/वास्तविक विमान यात्रा
- (ख) यदि मैं विद्यालय का प्रधानाचार्य होता
- (ग) मनचाही पुस्तक

16. ग्रीष्मावकाश में पर्वतीय यात्रा के दौरान आप कुछ दिन के लिए अपने मित्र के घर ठहरे, जहाँ आप की बहुत आवभगत की गई। मित्र के प्रति आभार प्रकट करते हुए एक पत्र लिखिए।

5

अथवा

आप वन महोत्सव के अवसर पर अपने नगर में वृक्षारोपण करना चाहते हैं। नगर के उद्यान विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर पौधों की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध कीजिए।

प्रश्नपत्र संख्या 3/1

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1x5 = 5

राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह है कि देश के सभी चाहे वे किसी भी संप्रदाय, जाति, धर्मा, भाषा अथवा क्षेत्र से संबंधित हो, इन सब सीमाओं से ऊपर उठकर इस समूचे देश के प्रति वफादार और आत्मीयतापूर्ण है। इसके लिए यदि उनको अपने निजी स्वार्थ अथवा समूह के स्वार्थ का भी त्याग करना पड़े तो उसके लिए उन्हें तैयार रहना चाहिए। और उनके लिए देश का हित सर्वोपरि होना चाहिए। किंतु कभी-कभी तो लगता है कि देश की स्वतंत्रता के बाद हम राष्ट्रीय एकता से विमुख होकर राष्ट्रीय विघटन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। स्वतंत्रता के पहले गांधीजी के नेतृत्व में पूरा देश एक होकर अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध लड़ा था। परंतु उसके बाद पुनः हम धर्म, भाषा, क्षेत्रीयता के नाम से आपसी झगड़ों में उलझ गए हैं। कई बार ऐसा लगता है कि हमारे देश में असमिया, बंगाली, पंजाबी, मराठा, मद्रासी इत्यादि तो हैं, पर भारतीय बिरले ही हैं। हमारा देश प्राचीन काल से ही विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, विचारधाराओं तथा परंपराओं का समन्वय-स्थल रहा है परंतु आधुनिक काल में जब से विभिन्न धर्मों और संप्रदायों में अलगाव होने लगा, पारस्परिक द्वेष, घृणा और संघर्ष बढ़ने लगा, तभी राष्ट्र प्रत्येक दृष्टि से कमजोर होने लगा। राजनीतिक दल इस पारस्परिक तनाव का लाभ उठाकर राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने लगे। इसीलिए नेहरू जी ने कहा था, “मैं सांप्रदायिकता को देश का सबसे बड़ा शत्रु मानता हूँ।”

(i) राष्ट्रीय एकता का अर्थ है

- (क) परस्पर विरोधी जातियों का एक होना
- (ख) विभिन्न भाषा-भाषियों में एक-दूसरे की भाषा के प्रति लगाव होना
- (ग) एक-दूसरे के धार्मिक स्थलों के प्रति श्रद्धा-भाव होना
- (घ) सभी भेदभावों को भूलकर देश में एकता बनाए रखना

- (ii) 'देश का हित सर्वोपरि चाहिए' — कथन का तात्पर्य है
- (क) अपना काम छोड़कर केवल देश-सेवा
 - (ख) देश के लिए अपनी प्रिय वस्तु का बलिदान
 - (ग) देश के लिए जातिगत स्वार्थों का त्याग
 - (घ) स्वार्थ त्याग कर देश के हित की चिन्ता
- (iii) लेखक को क्यों लगता है कि हम राष्ट्रीय विघटन की ओर बढ़ रहे हैं?
- (क) नागरिकों के आपस में झगड़ने के कारण
 - (ख) स्वार्थ के लिए देश के हित का त्याग करने के कारण
 - (ग) धर्म, भाषा और क्षेत्रीयता की भावना के कारण
 - (घ) परस्पर ऊंच-नीचे के भाव के कारण
- (iv) लेखक के अनुसार राष्ट्र कमजोर क्यों हो रहा है?
- (क) क्षेत्रीयता के पनपने के कारण
 - (ख) धर्म के नाम पर आपसी झड़गों के कारण
 - (ग) राजनीतिक दलों की स्वार्थी प्रवृत्ति के कारण
 - (घ) सांप्रदायिक अलगाव, द्वेष और घृणा के कारण
- (v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है
- (क) राष्ट्रीय एकता
 - (ख) धर्म और संप्रदाय
 - (ग) सांप्रदायिकता
 - (घ) राष्ट्रीय विचारधारा

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

हमारे देश में जातिवाद सबसे जटिल समस्या है। यह समस्या स्वस्थ राष्ट्रीयता के पनपने में बहुत बड़ा बाधक तत्व है। कहना कठिन है कि जाति-प्रथा देश में कब जन्मी। इतिहासकार यह मानते हैं कि जब आर्य भारतवर्ष में आए, उस समय उनका सम्मिलन यहां के देशवासियों से हुआ। इस तरह प्रारंभ में दो ही सांस्कृतिक समूह थे — आर्य और अनार्य। यह भेद जाति का और संस्कृति का था। जो केवल आर्यों और अनार्यों तक ही सीमित नहीं

रहा अपितु धीरे-धीरे आर्यों में भी भेद होने लगा और चार जातियों का प्रादुर्भाव हुआ। यह जाति-व्यवस्था व्यवसाय पर आधारित थी न कि जन्म पर। कालांतर में जाति-प्रथा जन्म और वंश से सम्बन्धित हो गई। हमारे संविधान के निर्माता यह जानते हैं कि जाति-प्रथा और लोकतंत्र एक साथ नहीं रह सकते हैं। उन्होंने संविधान में इस तरह के नियम बनाए जिनके द्वारा किसी भी नागरिक के विरुद्ध जाति के आधार पर भेद-भाव या पक्षपात न हो सके। यह स्थिति दुःखद है कि जातिवाद के अनुसार सभी जातियों के व्यवसाय पूर्व निर्धारित होते हैं। इस प्रकार की व्यवस्था सामाजिक न्याय के विपरीत है। जो भी राष्ट्र का हित चाहते हैं, वे जातिवाद का डटकर मुकाबला करें और उसके उन्मूलन में सहयोग दें।

(i) भारत में जाति-प्रथा का उद्भव कब से माना जाता है?

- (क) भारत के मूलनिवासियों के उद्भव से
- (ख) भारत में आर्यों के आगमन से पूर्व
- (ग) भारत के मूलनिवासियों पर आर्यों की विजय के बाद
- (घ) भारत में बसे आर्यों के भिन्नता पैदा करने के बाद

(ii) जाति-व्यवस्था का परिणाम नहीं है

- (क) स्पृश्यता-अस्पृश्यता का भाव
- (ख) ऊँच-नीच का भेद-भाव
- (ग) पिछड़े वर्ग के व्यक्ति की योग्यता को नकारना
- (घ) जातिगत पक्षपात न होने देना

(iii) जाति-प्रथा का उन्मूलन क्यों आवश्यक है?

- (क) सामाजिक भेदभाव की समाप्ति के लिए
- (ख) योग्यता के आधार पर व्यवसाय पाने के लिए
- (ग) आर्थिक विषमता को मिटाने के लिए
- (घ) राष्ट्रवाद को जन्म देने के लिए

(iv) अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक होगा

- (क) भारत में जाति-प्रथा
- (ख) आर्य-अनार्य संस्कृति
- (ग) जातिवाद की समस्या
- (घ) सामाजिक भेद-भाव

(v) 'समस्या' शब्द की व्याकरणिक कोटि है

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ख) जातिवाचक संज्ञा

(ग) भाववाचक संज्ञा

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: $1 \times 5 = 5$

जिस धरती को तुमने सींचा

अपने खून-पसीने से,

हार गई दुश्मन की गोली

वज्र तुम्हारे सीनों में

जब-जब उठी तुम्हारी नाँहें, होता वश में काल है।

जिस धरती के लिए सदा

तुमने सब कुछ कुर्बान किया

शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँसकर

कालकूट का पान किया

जब-तब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।

उस धरती को टुकड़े-टुकड़े

करना चाह रहे दुश्मन

बड़े गौर से अजब तुम्हारी

चुप्पी थाह रहे दुश्मन

जाति-पाति वर्गों-फिरकों के, वह फैलाता जाल है।

कुछ देशों की लोलुप नजरें

लगी तुम्हारी ओर हैं,

कुछ अपने ही जयबंदों के

मन में बैठ चोर है।

सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

(i) 'धरती को खून-पसीने से सींचने' का अभिप्राय है

(क) देश के खेतों को जल से सींचना

(ख) देश के लिए कठिन से कठिन परिश्रम करना

- (ग) देश की सुरक्षा के लिए रात-दिन सावधान रहना
- (घ) देश की रक्षा-हेतु शत्रु पर गोलियाँ चलाना
- (ii) काल वश में हो सकता है जब
- (क) दुश्मन गोलियाँ न चलाए
- (ख) हम रक्षा के लिए बाँहें उठाएँ
- (ग) हम हँस-हँसकर कुर्बानी दें
- (घ) जाति-पाँति का भेद न रहे
- (iii) 'जाति-पाँति' में अलंकार है
- (क) यमक
- (ख) श्लेष
- (ग) अनुप्रास
- (घ) उपमा
- (iv) 'हुई दिशाएँ लाल है' □ का तात्पर्य है
- (क) देश के कोने-कोने में क्रांति होना
- (ख) अन्याय का विरोध होना
- (ग) रूढ़िवाद की समाप्ति होना
- (घ) जन-जागृति फैलाना
- (v) 'सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है' पंक्ति में 'कपटी खाल पहने' किसे कहा गया है?
- (क) जो बेईमान है
- (ख) जो देशप्रेम का दिखावा करता है
- (ग) जो विश्वासघाती है
- (घ) जो अपनी कायरता को छिपाता है
4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :
- जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम ।
जो छोटी-सी नैया लेकर

1X5=5

उतरे करने को उदधि पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकर।

— उनको प्रणाम!

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे;
पर कुछ ने ले लो हिम-समाधि,
कुछ असफल ही नीचे उतरे।

— उनको प्रणाम!

कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए;
प्रत्युत फाँसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल।

— उनको प्रणाम!

थी उग्र साधना, पर जिनका
जीवन-नाटक दुःखांत हुआ;
था जन्मकाल में सिंह लग्न
पर कुसमय ही देहांत हुआ!

— उनको प्रणाम!

- (i) कवि उन्हें प्रणाम कर रहा है जो
- (क) काम में असफल हो गए हैं
 - (ख) असफलता की चिंता किए बिना लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं
 - (ग) सीमिति साधनों के कारण पीछे हट गए हैं
 - (घ) जीवन-भर दुखी रहे हैं
- (ii) 'जो उच्च शिखर की ओर बढ़े' में 'उच्च शिखर' प्रतीक है
- (क) पहाड़ की ऊँची चोटी
 - (ख) बहुत प्रिय वस्तु
 - (ग) जीवन में ऊँचा लक्ष्य
 - (घ) ऊँचा पद पा जाना

- (iii) 'प्रत्युत फाँसी पर गए झूल' पंक्ति में किनकी ओर संकेत है?
- (क) जो असामाजिक तत्व है
 - (ख) जो देश से गद्दारी कर रहे हैं
 - (ग) जिनके बलिदान को लोगों ने भुला दिया है
 - (घ) जिनके कामों को लोग भूल जाना चाहते हैं
- (iv) 'जीवन-नाटक दुःखांत होना' का भाव है
- (क) दुख-भरा जीवन
 - (ख) असमय निधन
 - (ग) दुखांत नाटक
 - (घ) असफल जीवन
- (v) 'जीवन-नाटक' में अलंकार है
- (क) उपमा
 - (ख) श्लेष
 - (ग) उत्प्रेक्षा
 - (घ) रूपक

खंड - ख

5. (i) जहाँ दो स्वतंत्र वाक्य समुच्चयबोधक द्वारा जुड़े हों, उसे कहते हैं
- (क) सरल वाक्य
 - (ख) संयुक्त वाक्य
 - (ग) मिश्र वाक्य
 - (घ) जटिल वाक्य
- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छांटिए :
- (क) मुख्य अतिथि आने वाले थे किन्तु नहीं आए।
 - (ख) मैं महंगी कमीज नहीं खरीदूँगा।
 - (ग) जो ईमानदार है, वही इस सम्मान का अधिकारी है।
 - (घ) यह विदेश गया और मेरे लिए उपहार लाया।

- (iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए : 1
- (क) मैंने उसे नियमित पढ़ने के लिए कहा था लेकिन उसने अनसुनी कर दो।
- (ख) तुम्हारे विचार ऐसे हैं जो उनको मान्य नहीं है।
- (ग) उस युग में विलासिता का साम्राज्य था।
- (घ) वहाँ एक व्यक्ति रहता है जिसके पास अपार संपत्ति है।
- (iv) जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है, उसको कहते हैं 1
- (क) मिश्र वाक्य
- (ख) संयुक्त वाक्य
- (ग) सरल वाक्य
- (घ) जटिल वाक्य
6. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में सही विकल्प का चुनाव कीजिए : 1X4=4
- (i) वह बीहड़ जंगल में भटक गया।
- (क) विशेषण, परिणामस्वरूप, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (ख) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (घ) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (ii) मैं सवेरे उठता हूँ।
- (क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिङ्ग, एकवचन, उत्तम पुरुष
- (ख) अकर्मक क्रिया, पुल्लिङ्ग, एकवचन, उत्तम पुरुष
- (ग) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिङ्ग, एकवचन, उत्तम पुरुष
- (घ) नामधातु, पुल्लिङ्ग, एकवचन, उत्तम पुरुष
- (iii) मैं प्रतिदिन घूमने जाता हूँ।
- (क) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक, 'घूमने जाता हूँ' का विशेषण
- (ख) क्रिया-विशेषण, कालवाचक, 'घूमने जाता हूँ' का विशेषण
- (ग) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'घूमने जाता हूँ' का विशेषण
- (घ) क्रिया-विशेषण, परिणामवाचक, 'घूमने जाता हूँ' का विशेषण

- (iv) मोहन से कोई मिलने आया है।
 (क) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिङ्ग
 (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिङ्ग
 (ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिङ्ग
 (घ) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिङ्ग

7. (i) कर्तृवाच्य कहते हैं 1
 (क) जहाँ कर्म प्रधान होता है
 (ख) जहाँ कर्ता प्रधान होता है
 (ग) जहाँ भाव प्रधान होता है
 (घ) जहाँ अन्य पद प्रधान होता है
- (ii) निम्नलिखित में कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए 1
 (क) तुमसे पतंग नहीं उड़ाई जाएगी।
 (ख) सारे दिन कैसे पढ़ा जाएगा।
 (ग) तुम शोर क्यों मचाते हो।
 (घ) दवाई निगली हो नहीं जा रही है।
- (iii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए 1
 (क) पुलिस ने अपराधियों को पकड़ लिया है।
 (ख) बाढ़-पीड़ितों में खाद्य सामग्री बाँटी जा रही है।
 (ग) आइए, चला जाय।
 (घ) वह दिन-भर कैसे काम करता रहा?
- (iv) निम्नलिखित में से भाववाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए: 1
 (क) अब हम चल नहीं पा रहे हैं।
 (ख) भारत ने मित्रता का हाथ बढ़ाया है।
 (ग) यह पुस्तक दो दिन में पढ़ी जा सकती है।
 (घ) क्या तुमसे इतनी देर बैठा जाएगा?

8. (i) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए : 1
- (क) वह अपने को क्या समझता है?
- (ख) सायंकाल होते ही पानी बरसने लगा।
- (ग) मोहन प्रतिदिन व्यायाम करता है।
- (घ) मैं मंदिर जाऊंगा और तब भोजन करूंगा।
- (ii) मैं तुम्हें सम्मान का पात्र मानता हूँ—रेखांकित शब्द है 1
- (क) संज्ञा
- (ख) सर्वनाम
- (ग) क्रिया
- (घ) विशेषण
- (iii) 'तुमने अच्छी चाल चली' वाक्य का कर्मवाच्य होगा 1
- (क) तुम अच्छी चाल चल लेते हो।
- (ख) तुमसे अच्छी चाल चलने की आशा थी।
- (ग) तुम्हारे द्वारा क्या चाल चली जाएगी।
- (घ) तुम्हारे द्वारा अच्छी चाल चली गई।
- (iv) 'संध्या-सुंदरी परी-सी' में कौन-सा अलंकार नहीं है?
- (क) अनुप्रास
- (ख) उत्प्रेक्षा
- (ग) रूपक
- (घ) उपमा
9. (i) किस अलंकार में स्वरों का भेद होने पर भी व्यंजनों की आवृत्ति होती है? 1
- (क) यमक
- (ख) श्लेष
- (ग) अनुप्रास
- (घ) उत्प्रेक्षा

- (ii) 'जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं' पंक्ति में अलंकार है। 1
- (क) अनुप्रास
- (ख) श्लेष
- (ग) उपमा
- (घ) यमक
- (iii) निम्नलिखित में 'रूपक' अलंकार का उदाहरण छांटिए। 1
- (क) नील गगन-सा शांत हृदय था हो रहा।
- (ख) हरिपद कोमल कमल-से।
- (ग) चरणकमल बंदों हरिराई।
- (घ) ज्यों जल माँह तेल की गागरि।
- (iv) निम्नलिखित काव्यांश में उपमेय का चयन कीजिए 1
- 'निकल रही थी मर्मवेदना करुणा-विकल कहानी-सी'
- (क) मर्मवेदना
- (ख) करुणा विकल
- (ग) कहानी
- (घ) निकल रही

खंड - ग

10. निम्नलिखित गद्यांश की ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए : 1X5=5

पिता के ठीक विपरीत थी हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी को हर ज्यादाती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और ज़िद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी-भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं-केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ या लकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं कर सका.... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

- (i) कौन-सी विशेषता माँ की नहीं है?
- (क) बेपढ़ा-लिखा होना
- (ख) सबकी सेवा करना

- (ग) आवेश और क्रोध
- (घ) धैर्य और सहनशीलता
- (ii) कैसे कहा जा सकता है कि लेखिका की माँ में धरती से अधिक सहनशक्ति थी?
 - (क) पिता की ज्यादातियाँ और बच्चों को फरामइशें मानती थी।
 - (ख) उन्होंने पारिवारिक दायित्वों को निभाया था।
 - (ग) अपने शांत स्वभाव के कारण सहनशील थीं।
 - (घ) धनाभाव की कठिनाइयों ने उन्हें सहनशील बना दिया था।
- (iii) माँ ने किसे क्या नहीं दिया?
 - (क) संसार को लगाव
 - (ख) अपनों को सहानुभूति
 - (ग) परिवार को प्यार
 - (घ) अपने आपको सुख-सुविधा
- (iv) लेखिका के लिए उनकी माँ की त्याग-भावना आदर्श क्यों नहीं बन सकी?
 - (क) पिता के व्यवहार के कारण
 - (ख) विवशता में किए जाने के कारण
 - (ग) ईर्ष्या के कारण
 - (घ) अतीत में घटी घटनाओं की प्रतिक्रिया के कारण
- (v) 'हम भाई-बहिनों का सारा लगाव माँ के साथ था लेकिन निहाय असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग मेरा आदर्श न बन सका' — यह किस प्रकार का वाक्य है?
 - (क) मिश्र
 - (ख) संयुक्त
 - (ग) साधारण
 - (घ) सरल

अथवा

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं। अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है वे संस्कृत न बोल सकती थी। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने का सबूत है कि वे संस्कृत न बोल सकती थीं। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने

का सबूत है और न गँवार होने का। अच्छा से उत्तररामचरित में ऋषियों की वेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थी? उनकी संस्कृत क्या कोई गँवारी संस्कृत थी? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस ज़माने के हैं उस ज़माने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले, सब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अपढ़ बताने का साहस करे। इसका क्या सबूत कि उस ज़माने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों और जैनियों के हजारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते, और भगवान् शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों धर्मोपदेश देते? बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की रचना प्राकृत में किए जाने का एकमात्र कारण यही है कि उस ज़माने में प्राकृत ही सर्वसाधारण की भाषा थी।

(i) संस्कृत नाटकों में स्त्रियों के लिए प्राकृत बोलने का विधान था, क्योंकि

(क) वे अपढ़ होती थी

(ख) संस्कृत नहीं बोल सकती थीं

(ग) वे गँवार थीं

(घ) उस युग में बोलचाल की भाषा प्राकृत थी

(ii) लेखक क्या सिद्ध करने की चुनौती देता है?

(क) कालिदास और भवभूति संस्कृत नाटककार थे।

(ख) कालिदास के युग में सब संस्कृत ही बोलते थे।

(ग) कालिदास के युग में सब प्राकृत ही बोलते थे।

(घ) कालिदास और भवभूति का इतिहास में कोई प्रमाण नहीं है।

(iii) बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की भाषा है

(क) पालि

(ख) संस्कृत

(ग) अपभ्रंश

(घ) प्राकृत

(iv) भगवान् शाक्य मुनि और उनके शिष्य प्राकृत में ही धर्मोपदेश क्यों देते थे?

(क) उन्हें संस्कृत का ज्ञान नहीं था।

(ख) वे केवल प्राकृत ही जानते थे।

- (ग) वे अपढ़ थे।
- (घ) सर्वसाधारण की भाषा प्राकृत ही थी।
- (v) 'पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं?' वाक्य में 'कौन-सी' शब्द व्याकरण की दृष्टि से है?
- (क) सर्वनाम
- (ख) सार्वनामिक विशेषण
- (ग) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
- (घ) अनिश्चित परिणामवाचक विशेषण

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

2X5=10

- (क) 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?
- (ख) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया-जैसी क्यों लगती थी? 'करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- (ग) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है? 'नौबातखाने में इबादत' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
- (घ) 'संस्कृति' पाठ में वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा गया है?
- (ङ) स्त्री-शिक्षा के विरोधियों ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री-शिक्षा का विरोध किया है? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।

अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।।

नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।

बीरब्रती तुम्ह और अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।

- (क) कविता में लक्ष्मण परशुराम के किस यश की ओर संकेत कर रहे हैं? 1
- (ख) वे उनसे क्या अनुरोध कर रहे हैं? 2
- (ग) 'बीरब्रती तुम्ह और अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

- (क) कवि के 'भरमाने' का क्या कारण है? 2
- (ख) 'प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
- (ग) कविता में किस यथार्थ के पूजन की बात कही गई है? 1
13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :
- (क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' काव्यांश के आधार पर राम और लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएं लिखिए। 2
- (ख) 'फसल' कविता में फसल किस कहा गया है? स्पष्ट कीजिए। 2
- (ग) 'संगतकार' किस प्रकार के व्यक्ति का प्रतीक है? 'संगतकार' कविता के आधार पर समझाए। 1
14. 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' कहानी के अनुसार दुलारी और टुनू ने भारत के स्वाधीनता आंदोलन में अपना योगदान किस प्रकार दिया? 5

अथवा

'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा-वृत्तान्त के 'जितेन नोगें' की चारित्रिक विशेषताओं के आधार पर लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या-क्या गुण होने चाहिए।

खंड घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : 5
- (क) आंखों-देखी बाढ़
- (ख) यदि मैं अभिनेता होता
- (ग) देश के प्रति हमारे कर्तव्य

16. भरतीय वायुसेना में 'पाइलट' के पद के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में असफल मित्र को ढाढ़स बंधाते हुए पुनः प्रयास के लिए एक प्रेरणा-पत्र लिखिए।

5

अथवा

अपने नगर के एक प्रख्यात विद्यालय को उनके छात्रों की अनुशासनहीनता की घटनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उचित कार्यवाही के लिए अनुरोध कीजिए।